श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी राजकीय महाविद्यालय

पाँवटा साहिब, जिला सिरमौर हि.प्र.

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

मंगलवार 04 मार्च, 2025

मुख्य अतिथि

श्री किरनेश जंग

पूर्व विधायक, पाँवटा साहिब (हि.प्र.)

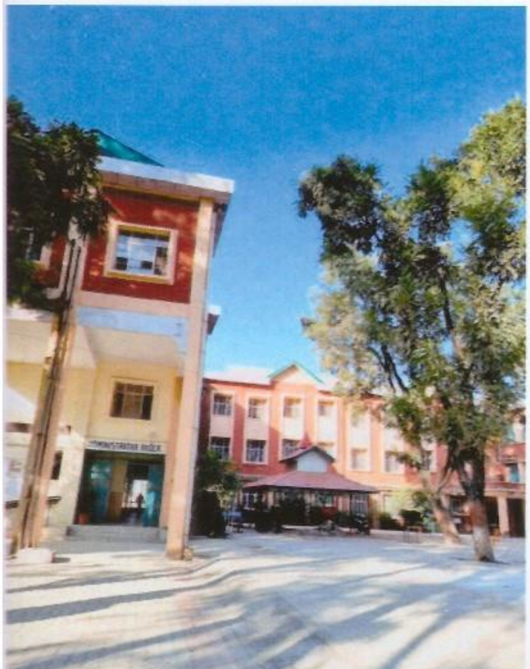

प्रस्तुतकर्ताः डॉ. विभव कुमार शुक्ल, प्राचार्य

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-2025

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब की स्थापना **हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1994** में की गई थी। प्रारंभ में यह महाविद्यालय एक सामान्य सरकारी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत था, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, **हिमाचल प्रदेश सरकार ने वर्ष 1999 में इसका नामकरण दशम सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर किया।** यह नामकरण **खालसा पंथ (1699-1999) की त्रिशताब्दी** के उपलक्ष्य में किया गया था, जिससे महाविद्यालय को एक विशिष्ट पहचान प्राप्त हुई। महाविद्यालय का नाम **श्री गुरु गोबिंद सिंह जी** के जीवन से जुड़ा हुआ है, जो 10वें सिख गुरु थे और जिन्होंने सिख धर्म को एक संगठित रूप दिया। **गुरुद्वारा पांवटा साहिब**, जो इस क्षेत्र में स्थित है, सिख समुदाय के लिए अत्यधिक धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। ऐसा माना जाता है कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने यहाँ कुछ महत्वपूर्ण वर्षों तक निवास किया था और कई ऐतिहासिक ग्रंथों की रचना भी यहीं की थी। महाविद्यालय **हिमाचल प्रदेश के सबसे तेजी से विकसित होते औद्योगिक शहरों में से एक, पांवटा साहिब** में स्थित है। यह क्षेत्र **यमुना नदी** के किनारे स्थित है, जो इसकी प्राकृतिक सुंदरता को और अधिक बढ़ाता है। यमुना नदी न केवल इस क्षेत्र की भौगोलिक पहचान को समृद्ध करती है बल्कि कृषि और जल आपूर्ति के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। औद्योगिक रूप से यह क्षेत्र लगातार विकास कर रहा है, जिससे यहाँ के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक अवसर प्राप्त होते हैं।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब न केवल एक शैक्षणिक संस्थान है, बल्कि यह **धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है।** इसकी स्थापना शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए की गई थी, और आज यह महाविद्यालय हिमाचल प्रदेश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक बन चुका है। इस क्षेत्र का ऐतिहासिक और औद्योगिक महत्व इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जिससे भविष्य में इसकी प्रगति और भी अधिक संभावनाओं से भरपूर होगी।

मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मान्यता

पाँवटा साहिब महाविद्यालय को नैक द्वारा 'ए' ग्रैड मिला । हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि यह हिमाचल प्रदेश के बहुत कम सरकारी कॉलेज द्वारा प्राप्त उच्चतम ग्रेड और CGPA है । यह ग्रेड पांच साल के लिए वैध है। वर्तमान में पांवटा साहिब महाविद्यालय का (CGPA 3.03)है । यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय के लिए बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के शैक्षणिक परिदृश्य के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता छात्रों को और अधिक प्रेरित करेगी तथा शिक्षकों एवं प्रशासन को शिक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

राज्य स्तरीय स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट (SAR)

राज्य स्तरीय स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट (Self-Assessment Report - SAR) एक व्यापक दस्तावेज़ होता है, जिसे उच्च शिक्षा निदेशालय (DHE), हिमाचल प्रदेश सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता है। यह रिपोर्ट प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों की अकादमिक, प्रशासनिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों

का विश्लेषण करती है।निःसंदेह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि इसे राज्य स्तरीय स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट (SAR) में प्रदेश भर में पाँचवा स्थान प्राप्त हुआ है।

यह सफलता महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, सह-शैक्षिक गतिविधियों, मूल्यांकन प्रणाली, बुनियादी ढांचे, और प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। हाल ही में NAAC द्वारा 'A' ग्रेड (CGPA: 3.03) प्राप्त करना और अब यह उच्च स्थान प्राप्त करना, यह दर्शाता है कि महाविद्यालय लगातार प्रगति कर रहा है।

कार्यक्रम

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संबद्ध है और संस्थान में पढ़ाए जाने वाले निम्नलिखित कार्यक्रम यहाँ सूचीबद्ध हैं। महाविद्यालय में 20 स्नातक डिग्री कार्यक्रम, नौ स्नातकोत्तर कार्यक्रम और एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इस प्रकार, महाविद्यालय द्वारा कुल 30 कार्यक्रम पेश किए जाते हैं।

क्र.सं.	डिग्री प्राप्त करने वाले कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की शुरूआत का वर्ष	कार्यक्रम अवधि	वर्तमान संबद्धता स्थिति स्थायी/ अस्थायी
स्नातक की उपाधि				
1	अर्थशास्त्र के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
2	अंग्रेजी के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
3	भूगोल के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
4	हिन्दी के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
5	इतिहास के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
6	गणित के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
7	संगीत के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
8	कला स्नातक (बी.ए.) शारीरिक शिक्षा के साथ	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
9	राजनीति विज्ञान के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी

10	कला स्नातक (बी.ए.) लोक प्रशासन के साथ	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
11	संस्कृत के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
12	समाजशास्त्र के साथ कला स्नातक (बी.ए.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
13	वाणिज्य स्नातक (बी.कॉम.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
14	वनस्पति विज्ञान के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
15	रसायन विज्ञान के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
16	कंप्यूटर विज्ञान के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
	विज्ञान			
17	गणित के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
18	भौतिकी के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
19	प्राणिशास्त्र के साथ विज्ञान स्नातक (बी.एससी.)	1994-95	तीन वर्ष	स्थायी
20	कंप्यूटर अनुप्रयोग स्नातक (बी.सी.ए.)	2010-11	तीन वर्ष	स्थायी
स्नातकोत्तर डिप्लोमा				
21	कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.ए.)	2010-11	एक वर्ष	स्थायी
स्नातकोत्तर उपाधि				
22	अर्थशास्त्र में कला स्नातकोत्तर	2016-17	दो वर्ष	स्थायी
23	अंग्रेजी में कला स्नातकोत्तर (एम.ए.)	2016-17	दो वर्ष	स्थायी
24	वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम.कॉम.)	2016-17	दो वर्ष	स्थायी
25	हिंदी में कला स्नातकोत्तर (एम.ए.)	2018-19	दो वर्ष	स्थायी

26	राजनीति विज्ञान में कला स्नातकोत्तर (एम.ए.)	2020-21	दो वर्ष	स्थायी
27	भूगोल में कला स्नातकोत्तर (एम.ए.)	2023-24	दो वर्ष	स्थायी
28	रसायन विज्ञान में विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एस.सी .)	2023-24	दो वर्ष	स्थायी
29	गणित में स्नातकोत्तर (एम.ए. / एम.एस.सी .)	2023-24	दो वर्ष	स्थायी
30	एम. बी. ए.	2024 -25	दो वर्ष	स्थायी

इस प्रकार महाविद्यालय के शिक्षण में 30 स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों शामिल हैं । इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षा के स्तर को उन्नत करना और छात्रों को विविध क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्रदान करना है। महाविद्यालय में चल रहे कार्यक्रमों की गुणवत्ता और सफल संचालन के लिए अधिक स्वीकृत पदों की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वीकृत एवं भरे हुए पद: शैक्षणिक

क्रमांक	पदनाम/विषय	स्वीकृत पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	रिक्त
1	प्राचार्य	1	1	---
2	वनस्पति विज्ञा	2	2	---
3	रसायन विज्ञान	3	2	1
4	वाणिज्य	3	3	---
5	कंप्यूटर विज्ञान	1	1	---
6	अर्थशास्त्र	4	4	---
7	अंग्रेजी	4	4	---
8	भूगोल	2	2	---
9	हिन्दी	3	3	----
10	इतिहास	1	0	1
11	गणित	2	2	---
12	संगीत वाद्य	1	1	---

13	संगीत गायन	1	1	---
14	शारीरिक शिक्षा	1	1	---
15	भौतिकी	2	2	---
16	राजनीति विज्ञान	3	3	---
17	लोक प्रशासन	1	1 (पीटीए)	---
18	संस्कृत	1	1	---
19	समाजशास्त्र	1	1	---
20	प्राणीशास्त्र	2	1	1
	कुल	**39**	**36**	**3**
21	बीसीए/पीजीडीसीए (स्व-वित्तपोषण)	-	2 (गेस्ट लेक्चरर)	---
22	एमबीए (स्व-वितपोषण)	-	4(गेस्ट लेक्चरर)	---
	कुल	-	**4**	---

महाविद्यालय में शिक्षण सदस्यों के 39 नियमित स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 3 रिक्त हैं और एक पीटीए से भरा हुआ है। इसके अलावा, स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के तहत 4 पद गेस्ट लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

स्वीकृत एवं भरे हुए पद: गैर- शैक्षणिक

क्रमांक	पदनाम/विषय	स्वीकृत पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	रिक्त
1	अधीक्षक ग्रेड I	1	1	---
2	अधीक्षक ग्रेड II	1	0	1
3	वरिष्ठ सहायक	1	1	---
4	क्लर्क/जूनियर कार्यालय सहायक (आईटी)	2	1	1
5	लाइब्रेरियन	1	0	1

6	वरिष्ठ व्याख्याता सहायक (एसएलए)	2	2	---
7	जूनियर लेक्चरर असिस्टेंट (जेएलए)	3	0	3
8	लैब अटेंडेंट (एलए)	2	2	--
9	पशु संग्राहक	1	1	--
10	तबला वादक	1	0	1
11	चपरासी	7	7	--
	कुल	**22**	**15**	**7**

छात्र नामांकन 2024-25

छात्र नामांकन 2024-25 संकाय	**कक्षा**	**सामान्य**		**अनुसूचित जाति**		**अनुसूचित जनजाति**		**अन्य पिछड़ा वर्ग**		**कुल**	
		छात्र	**छात्रा**	**छात्र**	**छात्रा**	**छात्र**	**छात्रा**	**छात्र**	**छात्रा**	**छात्र**	**छात्रा**
कला संकाय	प्रथम वर्ष	106	133	41	64	-	-	45	74	192	271
	द्वितीय वर्ष	64	124	44	52	-	-	26	74	134	250
	तृतीय वर्ष	51	130	28	48	2	-	24	70	106	249
	कुल	221	387	113	164	2	-	95	218	434	770
विज्ञान संकाय	प्रथम वर्ष	30	35	10	7	1	-	13	20	54	62
	द्वितीय वर्ष	12	23	9	9	-	-	7	11	28	43
	तृतीय वर्ष	10	15	4	6	-	-	6	23	20	44
	कुल	52	73	23	22	1	-	62	54	102	149
वाणिज्य संकाय	प्रथम वर्ष	51	17	12	13	-	-	17	8	80	38

	द्वितीय वर्ष	30	19	5	4	-	-	16	15	51	38
	तृतीय वर्ष	26	27	8	4	-	-	12	7	46	38
	कुल	107	63	25	21	-	-	45	30	177	114
	कुल (कला, विज्ञान और वाणिज्य)	380	523	161	207	3	-	202	302	713	1033
कला स्नातकोत्तर	कला स्नातकोत्तर प्रथम सत्र	13	28	7	13	-	1	7	14	27	56
	कला स्नातकोत्तर तृतीय सत्र	08	20	2	11	-	-	7	29	17	60
	कुल	21	48	9	24	-	1	14	33	44	116
वाणिज्य स्नातकोत्तर	प्रथम सत्र	3	3	0	2	-	-	1	5	4	10
	तृतीय सत्र	0	9	0	5	-	-	1	2	1	16
	कुल	3	12	0	7	-	-	2	7	5	26
विज्ञान स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान एवं गणित)	प्रथम सत्र	2	14	2	9	-	-	7	4	11	27
	तृतीय सत्र	7	14	3	3	-	-	4	7	14	24
	कुल	9	28	5	12	-	-	11	11	25	51
	कुल स्नातकोत्तर	33	88	14	43	-	1	27	51	74	193

कुल	413	611	175	250	3	1	229	353	787	1226
कुल योग	1,024		425			4	562			2,013

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर, छात्र नामांकन में निरंतर वृद्धि के कारण स्वीकृत पदों में वृद्धि की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है। हर वर्ष छात्र संख्या में होने वाली वृद्धि के साथ, सरकार को शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों श्रेणियों में अधिक पदों की स्वीकृति प्रदान करनी चाहिए, ताकि शैक्षिक गुणवत्ता में कोई समझौता न हो और संस्थान के प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चल सकें।

स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम

स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों में नामांकन

संकाय	कक्षा	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		कुल		
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	कुल
बीसीए	प्रथम सत्र	14	27	4	5	0	0	0	0	18	32	**50**
	तृतीय सत्र	18	10	2	3	0	0	3	3	23	16	**39**
	पाँचवाँ सत्र	19	4	1	2	0	0	6	5	26	11	**37**
	कुल	**51**	**41**	**7**	**10**	**0**	**0**	**9**	**8**	**67**	**59**	**126**
पीजीडीसीए	(प्रथम सत्र)	2	11	1	1	0	0	0	5	3	17	20
	कुल	2	11	1	1	0	0	0	5	3	17	20
एमबीए (प्रथम सत्र)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	38
	कुल											38
स्व-वित्तपोषित कुल योग												**184**
स्नातक + स्नातकोत्तर + स्व-वित्तपोषित = कुल योग												**2,197**

स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों का संचालन एवं सुविधाएँ

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब में स्व-वित्तपोषित योजना के तहत तीन प्रमुख पाठ्यक्रम—बीसीए, पीजीडीसीए और एमबीए—संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का प्रबंधन विधिवत पंजीकृत "उच्च शिक्षा संस्थान सोसायटी" द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में डॉ. विवेक नेगी समन्वयक के रूप में इन पाठ्यक्रमों के संचालन एवं प्रशासनिक कार्यों की देखरेख कर रहे हैं।

छात्रों को बेहतर तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में दो सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं—

1. पहली लैब में 30 कंप्यूटर हैं।
2. दूसरी लैब में 15 कंप्यूटर हैं।

इन प्रयोगशालाओं की आधुनिक सुविधाएँ विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

स्थानान्तरण (1 जून 2023 से अब तक)

स्टाफ सदस्यों का नाम (शिक्षण/गैर-शिक्षण)	पद का नाम	विभाग का नाम	स्थानांतरण	स्थानांतरित	कार्यभार ग्रहण करने/कार्यमुक्त होने की तिथि
डॉ. प्रमोद पटियाल	प्राचार्य	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर	16-03-2023
श्री अश्वनी चंदेल	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर	01-04-2023
श्रीमती रीना चौहान	सहायक आचार्य	अंग्रेजी	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय नाहन	03-07-2023

श्रीमती पुष्पा यादव	सहायक आचार्य	वाणिज्य	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय नगरोटा सूरियां कांगड़ा	03-07-2023
श्रीमती हरदेई	सहायक आचार्य	वाणिज्य	-	-	10-11-2023
श्रीमती शीतल शर्मा	सहायक आचार्य	अंग्रेजी	-	-	10-07-2023
श्रीमती भारती	सहायक आचार्य	शारीरिक शिक्षा	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय नाहन	01-08-2023
डॉ. विभव कुमार शुक्ल	प्राचार्य	-	राजकीय संस्कृत महाविद्यालय नाहन	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	23-08-2023
श्री रिंकू अग्रवाल	सहायक आचार्य	वाणिज्य	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय कफोटा	04-09-23
डॉ. ध्यान सिंह तोमर	सह -आचार्य	वाणिज्य	राजकीय महाविद्यालय कफोटा	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	29-08-23
डॉ. ऋतु पंत	सह -आचार्य	प्राणी विज्ञान	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय भरली (आँजभोज)	08-10-2024
डॉ. दीपक	सह -आचार्य	राजनीतिक विज्ञान	राजकीय महाविद्यालय सतौन	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	15-03-2023
डॉ. खत्री राम तोमर	सह -आचार्य	हिन्दी	राजकीय महाविद्यालय	राजकीय	15-03-

			सतौन	महाविद्यालय पाँवटा साहिब	2023
डॉ. जफ़र अली	सह -आचार्य	शारीरिक शिक्षा	राजकीय महाविद्यालय नाहन	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	03-08-2023
श्री दिनेश शर्मा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	राजकीय महाविद्यालय कफोटा	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	14-03-2024
डॉ. नलिन कुमार	सह -आचार्य	अर्थशास्त्र	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय कफोटा	18-03-2024
श्री अशरफ अली	अधीक्षक -1	-	उप निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा,पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय कफोटा	01-06-2023
श्री गुलाब सिंह माँटा	वरिष्ठ व्याख्याता सहायक	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय शिलाई	07-10-2023
श्री धीरज कुमार	वरिष्ठ व्याख्याता सहायक	-	राजकीय महाविद्यालय नाहन	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	07-10-2023
श्री गुलाब सिंह माँटा	वरिष्ठ व्याख्याता सहायक	-	राजकीय महाविद्यालय नाहन	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	05-03-2024
श्री धीरज कुमार	वरिष्ठ व्याख्याता सहायक	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय नाहन	05-03-2024
श्री रमेश चंद	कनिष्ठ व्याख्याता सहायक	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय हरिपुरधार	05-03-2024

श्रीमती काकी देवी	चपरासी	-	राजकीय उच्च विद्यालय मालोंवाला /बनकला	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	24-09-2024
श्रीमती लता देवी	चपरासी	-	रा. वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गलानाघाट	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	05-10-2023
श्रीमती विद्या देवी	चपरासी	-	रा. वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्रा) पाँवटा साहिब	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	09-08-2023
श्री नरेश बत्रा	अधीक्षक -1		राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा, शिमला-1	30-12-2024
श्रीमती मनप्रीत कौर	चपरासी	-	रा. प्राथमिक पाठशाला संतोखगढ़	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	28-01-2025
श्री शादी राम	चपरासी	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	रा. वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अजौली	15-06-2022
श्री नजाकत अली	लिपिक	-	राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब	रा. वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मानपुर देवड़ा	01-10-2024

रूसा अनुदान

महाविद्यालय को सरकार से रूसा 2.0 योजना के तहत 2 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे, जिनमें से 98 लाख रुपये का उपयोग पहले ही किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने इनडोर बैडमिंटन हॉल के निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस परियोजना की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है।

खेलों में उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने हमेशा पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस वर्ष शारीरिक शिक्षा के सहायक प्रोफेसर डॉ. जफर अली के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय ने राज्य स्तर पर कई खेलों में अपनी छाप छोड़ी है। महाविद्यालय के छात्रों ने फुटबॉल, क्रिकेट, खो-खो, कुश्ती, कबड्डी, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स, और बैडमिंटन जैसे खेलों में एचपीयू इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप में भाग लिया।

खेलों में छात्रों की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:-

एचपीयू इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप में चैंपियनशिप/उपलब्धियाँ

1. **राहुल** (कला स्नातकोत्तर प्रथम सत्र, अनुक्रमांक 14505) – नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल चैंपियनशिप में चयनित हुए।

2. **काजल** (कला स्नातकोत्तर प्रथम सत्र, भूगोल, अनुक्रमांक 15605) और **श्यामा** (कला स्नातकोत्तर प्रथम सत्र, हिंदी, अनुक्रमांक 23) – दोनों ने पंजाब के रोपड़ में आयोजित 70वीं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते।

3. **निशा** (कला स्नातक प्रथम वर्ष, अनुक्रमांक 9003) – हैदराबाद में आयोजित अंडर 20 राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप (01 से 05 दिसम्बर 2023) में भाग लिया और रजत पदक जीता।

2024-25 की उपलब्धयाँ

1. महाविद्यालय महिला हॉकी टीम ने अपने समर्पण और प्राथमिकता का प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप जीती |

2. महाविद्यालय पुरुष क्रिकेट टीम असाधारण कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनकर उभरी।

3. महाविद्यालय महिला कबड्डी टीम ने अपनी चपलता और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय चैंपियनशिप के लिए एचपीयू टीम में छात्रों का चयन:

नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ी:

इस चैंपियनशिप में विभिन्न खेलों में कुल 10 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो निम्नलिखित हैं:

1. **हॉकी (महिला)** – 5 खिलाड़ी

2. **फुटबॉल (पुरुष)** – 1 खिलाड़ी
3. **क्रिकेट (पुरुष)** – 1 खिलाड़ी
4. **क्रिकेट (महिला)** – 2 खिलाड़ी
5. **कबड्डी (महिला)** – 1 खिलाड़ी

क्रिकेट (महिला) वर्ग की दो खिलाड़ियों को नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में तीसरा स्थान मिला।

राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप में छात्रों की भागीदारी

महाविद्यालय के 07 खिलाड़ियों ने **14वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024** में भाग लिया। यह चैंपियनशिप **30 सितंबर से 10 अक्टूबर 2024** तक **रांची (झारखंड)** में आयोजित की गई।

महाविद्यालय द्वारा आयोजित खेल कार्यक्रम

महाविद्यालय ने **23 फरवरी 2024** को महाविद्यालय के खेल मैदान में **इंट्रा-कॉलेज वार्षिक एथलेटिक मीट 2023-24** का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में **कला स्नातक प्रथम वर्ष के शिरान खान** को **सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष)** और **कला स्नातक प्रथम वर्ष की कृतिका शर्मा** को **सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला)** चुना गया।

महाविद्यालय प्राध्यापकों की शैक्षणिक उपलब्धियां

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र

1. रमौल, नलिन कुमार, विवेक नेगी और पिंकी रामौल (2023), "भारत में मुसलमानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति: समावेश के लिए संघर्ष", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, वॉल्यूम। 11, अंक 1, आईएसएसएन: 2455-6211, पृ. 836-863.

2. रमौल, नलिन कुमार, विवेक नेगी और पिंकी रामौल (2023), "भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की लागत का अनुमान लगाने के लिए पद्धतिगत दृष्टिकोण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च, खंड 15, अंक 1, आईएसएसएन: 0975-833X, पृ.

23276-23283.

3. रमौल, नलिन कुमार, विवेक नेगी और पिंकी रामौल (2023), "हिमाचल प्रदेश में बलात्कार के मामलों का एक अध्ययन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, खंड 8, अंक 1, आईएसएसएन: 2456-4184, पृ. 291-302.

4. रमौल, नलिन कुमार और पिंकी रामौल (2023), "उद्योगों के स्थान का अर्थशास्त्र: साहित्य का सर्वेक्षण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़, खंड 10, अंक 1, आईएसएसएन 2349-5138, पृष्ठ 341-359।

5. डॉ. नलिन रमौल, वैश्विक अर्थव्यवस्था की भाषा: अंग्रेजी, अंग्रेजी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (IJARESM) 2024, आईएसएसएन 2455-6211

6. वंदना कंसल, एन-कैस्केड सिस्टम पर व्युत्क्रम घातीय वितरण का उपयोग करके विश्वसनीयता का अनुमान वंदना कंसल गणित एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स 2023, आईएसएसएन 2394-0298।

7. डॉ. विवेक नेगी, वैश्विक अर्थव्यवस्था की भाषा: अंग्रेजी, अंग्रेजी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (IJARESM) 2024, आईएसएसएन 2455-6211

8.डॉ. अरुण कुमार दफ़राइक, ब्राउनिंग के आशावाद की किरण: उनकी कविताओं में जीवन के दर्शन को उजागर करना, अंग्रेज़ी बहुविषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 2023, आईएसएसएन 2582-2160।

9. डॉ. अरुण कुमार दफ़राइक, भगवद् गीता और शिक्षक के रूप में मार्गदर्शक: दार्शनिक मार्गदर्शन और शैक्षणिक दृष्टिकोण में अंतर्दृष्टि, अंग्रेजी एशियाई भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन जर्नल 2023 ।

10. डॉ. अरुण कुमार दफ़राइक, डॉक्टर फॉस्टस में नेक्रोमेंसी: निषिद्ध ज्ञान के अंधेरे आकर्षण का अनावरण, अंग्रेज़ी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च विचार 2023, आईएसएसएन 2320-2882 ।

11. डॉ. किरण बाला, हिमाचल प्रदेश में जिला सिरमौर की लोक संस्कृति एवं लोक संगीत का बदलता स्वरूप अध्ययन, दक्षिण एशिया जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज 2023- 2395-1079

12. डॉ. डी.एस.तोमर, 21वीं सदी में उच्च शिक्षण संस्थानों का प्रभाव, अजंता, तेलंगाना आदिवासी कल्याण आवासीय सरकारी कॉलेज महिला, शादनगर आइडियल पत्रिका में प्रकाशित, दिनांक-04/01/2024 ।

13. डॉ. डी.एस.तोमर, ऑन लाइन सेमीनार एनईपी-2020 अभिविन्यास और स्वच्छता कार्यक्रम, 20 मई, 2024, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली।

14.डॉ. डी.एस.तोमर, पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था: चुनौतियाँ और संभावनाएँ। अजंता प्रकाशन में प्रकाशित, लेख, सितंबर, 2024।

15. डॉ. डी.एस.तोमर, "डिजिटल शिक्षा: शिक्षण-शिक्षण का भविष्य: (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020)" पर सात दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल कार्यशाला, 6-09-2024 से 22-09-2024 तक राजकीय महाविद्यालय आनी , हिमाचल प्रदेश।

16. डॉ. डी.एस.तोमर, हरिजयसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एम.पी. में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक संगोष्ठी, दिनांक 14-15 मार्च 2024 को, "प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था में सतत विकास और पर्यावरण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

17. डॉ. डी.एस.तोमर, दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: डिजिटल परिवर्तन और व्यापार, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर इसके प्रभाव: सतत विकास लक्ष्य, 29-30 नवंबर, 2024, और "प्रौद्योगिकी और सतत विकास" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

18. डॉ. अमित जोशी ने इग्नू नई दिल्ली 2023 द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर 9 दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

19. डॉ. अमिता जोशी ने ई-सामग्री विकास और शिक्षण अधिगम के लिए एआई टूल्स पर एफडीपी अप्रैल 2024 में भाग लिया।

20. डॉ. अमिता जोशी ने राजकीय महाविद्यालय मंडी 2024, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थानीय स्वदेशी ज्ञान की रसायन शास्त्र: हिमाचल प्रदेश में चावल गांव का एक केस स्टडी" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

21. डॉ. अमिता जोशी ने राजकीय महाविद्यालय पांगी 2023, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हाटी और जौनसार बावर जनजातियों में बर्तनों और आभूषणों की रसायन शास्त्र का अनावरण" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

22. डॉ. अमिता जोशी ने राजकीय महाविद्यालय आनी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "खाद्य मिलावट की रसायन शास्त्र और खाद्य सुरक्षा रणनीति के मूल" पर शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

23. डॉ. धनमंती कंडासी, सितंबर 2024 में जर्नल "वॉयेजर- ए जर्नल ऑफ साइंसेज वॉल्यूम XV पृष्ठ संख्या 87-93" में "औषधीय जड़ी बूटी टारैक्सेकम ऑफिसिनेल वेबर का अवलोकन" शीर्षक से पेपर प्रकाशित हुआ।

प्राध्यापकों की प्रकाशित पुस्तकें

1. डॉ. जय चंद, "किसानी संवेदना का कवि कुमार कृष्ण" प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली ।

2. डॉ. ज़फ़र अली ने वर्ष 2024 में अंग्रेजी माध्यम में बीए प्रथम वर्ष की पाठ्य पुस्तक, "शारीरिक शिक्षा का परिचय" और "ओलंपिक मूवमेंट और टूर्नामेंट का संगठन" (पीईडी101टीएच, पीईडी101पीआर और पीईडी102टीएच, पीईडी102पीआर) प्रकाशित ।

3. डॉ. अरुण कुमार दफराईक ने 2024 में pothi.com/ Amazon.com पर व्हिस्पर्स ऑफ सॉलिट्यूड: द एनिग्मैटिक रियल्म ऑफ ट्विलाइट एंजेल्स नामक पुस्तक प्रकाशित की (ISBN-978-93-340-2699-3)।

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

1. डॉ. जाहिद अली मलिक, औषधीय पौधों के लिए सामाजिक आर्थिक महत्व और संरक्षण दृष्टिकोण: टैक्सस प्रजाति पर एक परिप्रेक्ष्य, जिसका शीर्षक है "औषधीय पौधों के लिए सामाजिक आर्थिक महत्व और संरक्षण

दृष्टिकोण" डॉ. रविकांत और डॉ. सरताज सिंह द्वारा संपादित, आर.पी. प्रकाशन दिल्ली। आईएसबीएन नंबर 978-93-91580-89-6 ।

2. डॉ. जाहिद अली मलिक, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के आदिवासी लोगों द्वारा भोजन और औषधीय स्रोत के रूप में उपयोग किए जाने वाले पौधों पर नृवंशविज्ञान संबंधी समीक्षा, जिसका शीर्षक है "भारत में आदिवासी पहचान के मुद्दे, चुनौतियाँ और आगे की राह" डॉ. प्रोमिला देवी और बियासो राम द्वारा संपादित आईएसबीएन नंबर 978-81-956440-6-3 ।

3. डॉ. अरुण कुमार दफराईक, स्कॉलरली ओपन एक्सेस, यूजीसी अनुमोदित, पीयर रिव्यूड और रेफरीड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स वॉल्यूम 11...., अंक 7 में 26 जुलाई 2023 को प्रकाशित "डॉक्टर फॉस्टस में नेक्रोमेंसी: निषिद्ध ज्ञान के अंधेरे आकर्षण का अनावरण" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया गया। आईएसएसएन नं. 2320-2882 (ऑनलाइन) और (प्रिंट)।

4. डॉ. अरुण कुमार दफराईक, स्कॉलरली ओपन एक्सेस, यूजीसी स्वीकृत, पीयर रिव्यूड और रेफरीड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च वॉल्यूम .... अंक .....में "ब्राउनिंग बीकन ऑफ ऑप्टिमिज़्म: अनरेवलिंग द फिलॉसफी ऑफ हिज वर्सेज" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया, जो जुलाई 2023 में प्रकाशित हुआ। आईएसएसएन नं. 2320-2882 (ऑनलाइन) और (प्रिंट)।

5. श्रीमती विम्मी रानी, हिल क्वेस्ट-मल्टीडिसिप्लिनरी, नेशनल पीयर रिव्यूड/रेफरीड जर्नल-ISSN2452-3144(O) में प्रकाशित शोध पत्र जिसका शीर्षक है- धर्म के विभिन्न दृष्टिकोण, खंड 11, अंक 02, दिसंबर 2024।

6. डॉ. धनमंती कंडासी, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के जनजातीय लोगों द्वारा भोजन और औषधीय स्रोत के रूप में उपयोग किए जाने वाले पौधों पर नृवंशविज्ञान समीक्षा शीर्षक अध्याय पृष्ठ संख्या 1-11. भारत में जनजातीय पहचान-मुद्दे, चुनौतियां और आगे की राह नामक पुस्तक में प्रकाशित।

7. डॉ. धनमंती कंडासी, सिद्धार्थ राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन द्वारा ISCA, शिमला चैप्टर के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "औषधीय जड़ी बूटी गेरेनियम वॉलिचियनम डी.डॉन एक्स स्वीट का लेखा-जोखा" शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया गया।

8. डॉ. धनमंती कंडासी,2 सितंबर 2024 को भारत के कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) के नूरपुर जिले के आर्य डिग्री कॉलेज द्वारा आयोजित प्रकृति और समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के आदिवासी लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले नृजातीय औषधीय पौधे" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया।

9. डॉ. प्रदीप तोमर ने उदारीकरण के बाद भारत में निवेश का माहौल विषय पर अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित किया, जर्नल संख्या 40776, आईएसएसएन नं.2277-5730।

10. डॉ. प्रदीप तोमर ने अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक शोध पत्रिका में संरचनात्मक सुधार: भारत में समावेशी और सतत विकास को प्राप्त करने के विषय पर शोध पत्र प्रकाशित किया, पत्रिका संख्या 40776, आईएसएसएन नं.2277-5730।

संकाय विकास कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों में प्रतिभागिता

1. श्रीमती नंदिनी कंवर ने 28 जनवरी से 1 फरवरी 2025 तक मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद से समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

2. श्रीमती नंदिनी कंवर ने 12 से 18 दिसंबर, 2024 तक समाजशास्त्रीय सोसायटी और समाजशास्त्र विभाग सेंट जूड्स कॉलेज, थूथूर द्वारा आयोजित परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव लेखन पर शोध पद्धति कार्यशाला में भाग लिया ।

3. डॉ. ज़फ़र अली ने नुहियांवाली एजुकेशन सोसाइटी द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से 10-10-2024 से 16-10-2024 तक "एससीआई/स्कोपस जर्नल्स के लिए शोध पत्र लेखन" पर एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया।

4. डॉ. ज़फ़र अली ने 9 मार्च से 25 मार्च 2024 तक मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी-सुलु, जोलो, फिलीपींस के सहयोग से एस.सी.वी.बी.जी.सी. पालमपुर (एच.पी.) भारत द्वारा आयोजित "कैरियर विकास में संचार कौशल की भूमिका" पर एक सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड कार्यशाला में भाग लिया।

5. डॉ. जाहिद अली मलिक ने महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 01-04-2024 से 06-04-2024 तक चला।

6. डॉ. जाहिद अली मलिक ने राजकीय महाविद्यालय डाक पत्थर द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन यूसीओएसटी और एसएसआरडीएच द्वारा प्रायोजित किया गया।

7. डॉ. जाहिद अली मलिक औद्योगिक विस्तार के बीच जैव विविधता में गिरावट: सोलन जिला, हिमाचल प्रदेश, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सिद्धार्थ राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन, हिमाचल प्रदेश के वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित।

8. डॉ. जाहिद अली मलिक ने आधुनिकीकरण और जैव-विविधता पर इसके प्रभाव पर राजकीय महाविद्यालय पांगी, चम्बा (हि.प्र.) और हिमालय वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण और भारतीय समाज में परिवर्तन के विरोधाभास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

9. डॉ. पंकज यादव ने 21-10-2024 से 26-10-2024 तक एससीईआरटी सोलन में प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

10. डॉ. पंकज यादव ने 16-12-2024 से 30-12-2024 तक गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद से वाणिज्य और प्रबंधन में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

11. डॉ. पंकज यादव ने 13 से 17 जनवरी 2025 तक एचएसएस विभाग, आईआईटी रुड़की से शीतकालीन स्कूल और क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यशाला में भाग लिया।

12. श्रीमती रेखा देवी ने एमएमटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18-11-2024 से 30-11-2024 तक MOOCS और ई-प्रतियोगिता विकास पर दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

13. श्री दिनेश शर्मा ने अर्थशास्त्र में टीएलसी रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 29 अप्रैल से 12 मई 2024 तक दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

14. श्री दिनेश शर्मा ने सामान्य शिक्षण और सीखने पर (टीएएलजी) चार सप्ताह का ऑनलाइन कोर्स जुलाई-अगस्त 2024 एनपीटीईएल बैंगलोर से पूर्ण किया ।

15. श्रीमती विम्मी रानी ने 2 सितंबर 2024 को राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज नूरपुर जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आयोजित प्रकृति और समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और जिम्मेदार उत्पादन और उपभोग द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

16. श्रीमती विम्मी रानी ने आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण और भारतीय समाज में परिवर्तन के विरोधाभास विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। -11/10/24 से 13/10/24 तक तथा भारतीय संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

17. श्रीमती विम्मी रानी ने 8/11/24 से 10/11/24 तक समकालीन विश्व में मुद्दे और चुनौतियाँ-2024 विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन जीडीसी रोहड़ू, राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, आईसीएफआरई-हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान-शिमला तथा एपीजी विश्वविद्यालय शिमला द्वारा किया गया तथा ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय समस्याएँ विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

18. श्रीमती विम्मी रानी ने 29 और 30 नवंबर 2024 को डिजिटल परिवर्तन और व्यावसायिक अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर इसके प्रभाव: सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और वैदिक शिक्षा से डिजिटल शिक्षा तक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

19. डॉ. प्रदीप तोमर ने 06/02/2023 से 20/02/2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय से "अर्थशास्त्र में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में भाग लिया।

20. श्री सुनील कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर से 21 फरवरी से 19 मार्च 2024 तक 4 सप्ताह का ओरिएंटेशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

21. डॉ. के.आर. तोमर ने 6 मई से 20 मई, 2023 तक आयोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (हिंदी) में भाग लिया।

22. डॉ. के.आर. तोमर ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो हिमालयन काउंसिल फॉर साइंटिफिक रिसर्च (एचसीएसआर) के सहयोग से महाविद्यालय पांगी द्वारा 1, 2 और 4 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया गया में भाग लिया।

23. डॉ. के.आर. तोमर ने 15 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, "अनुसंधान पद्धति के लिए उन्नत दृष्टिकोण" (9 से 23 दिसंबर, 2024) शारदा स्कूल ऑफ लॉ, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा और लॉ टीचर इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित में भाग लिया।

24. डॉ. प्रदीप तोमर ने आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित जुलाई से अक्टूबर 2024 तक MOOCS और ई-प्रतियोगिता विकास पर 12 सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया ।

25. डॉ. धनमंती कंडासी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2023 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया ।

26. डॉ. धनमंती कंडासी ने मिश्रित शिक्षण अवधारणाओं और उपकरणों पर 30 मार्च से 5 अप्रैल तक रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया ।

एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना)

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक स्वैच्छिक जनसेवा कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य **विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति की भावना विकसित करना** है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्र **समाज सेवा में भागीदारी** कर अपने व्यक्तिगत, सामाजिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देते हैं।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय, पांवटा साहिब में राष्ट्रीय सेवा योजना **की दो इकाइयाँ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं**, जिनमें कुल **200 स्वयंसेवकों का नामांकन** है। इन इकाइयों का संचालन एवं मार्गदर्शन **डॉ. अरुण दफ़राइक और श्रीमती शीतल शर्मा** कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कर रहे हैं। NSS इकाई महाविद्यालय परिसर और स्थानीय समुदाय में **समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, और राष्ट्रीय एकता** से जुड़े विभिन्न अभियानों का संचालन कर रही है। पूरे सत्र के दौरान, एनएसएस इकाई ने विविध सामाजिक मुद्दों को करते हुए कई एक दिवसीय शिविर आयोजित किए:

• स्वास्थ्य जागरूकता: पोषण, स्वच्छता और निवारक स्वास्थ्य सेवा पर चिकित्सा जाँच और जागरूकता सत्र आयोजित किए।

• स्वच्छता अभियान: सार्वजनिक स्थानों की सफाई और पर्यावरण स्वच्छता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए "स्वच्छ भारत अभियान" में भाग लिया।

• डिजिटल साक्षरता: बुनियादी कंप्यूटर कौशल और इंटरनेट के उपयोग पर समुदाय के सदस्यों को शिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।

• पर्यावरण संरक्षण: वृक्षारोपण अभियान और प्लास्टिक कचरे में कमी पर अभियान का नेतृत्व किया।

• सड़क सुरक्षा: यातायात नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार और रैलियाँ आयोजित की गईं।

• "यूथ फॉर माई भारत" पहल: युवाओं को राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल किया गया, देशभक्ति और नागरिक कर्तव्य की भावना को बढ़ावा दिया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर

सात दिवसीय विशेष शिविर 13 फरवरी से 19 फरवरी, 2025 तक कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें "युवा मेरे भारत के लिए", "डिजिटल साक्षरता" और "स्वच्छता ही सेवा" अभियान पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो कि पांवटा साहिब के कुंजा मतरालियो और यमुना पथ के गोद लिए गए क्षेत्रों में आयोजित किया गया। तहसीलदार पांवटा साहिब श्री ऋषभ शर्मा, जिला समन्वयक एनएसएस डॉ पंकज चांडक, एमसी काउंसलर श्री महेश खुराना, रोटरी क्लब सचिव श्रीमती राखी डांग, प्रोफेसर सुनील शर्मा, शिविर के दौरान संसाधन व्यक्ति थे।

एनएसएस स्वयंसेवकों की उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने विभिन्न शिविरों और गतिविधियों में अपने स्वयंसेवकों की उल्लेखनीय भागीदारी और उपलब्धियों को देखा है। उनके समर्पण और प्रतिबद्धता ने न केवल संस्थान को गौरव दिलाया है, बल्कि छात्रों के बीच सामुदायिक सेवा और नेतृत्व की भावना को भी बढ़ावा दिया है।

राष्ट्रीय एकता शिविरों में भागीदारी

• एनएसएस छात्र समन्वयक रजनीश कुमार ने 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक हरियाणा के पानीपत में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया। सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान उन्हें सर्वश्रेष्ठ समूह नेता के रूप में सम्मानित किया गया। • बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और एनएसएस समन्वयक पारुल चौहान ने 23 सितंबर, 2024 को नाहन में जिला प्री-रिपब्लिक डे (प्री-आरडी) शिविर में भाग लिया। इसके बाद उन्हें 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक हरियाणा के पानीपत में राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने के लिए चुना गया।

• कृष्ण गोपाल ने 23 सितंबर, 2024 को नाहन में जिला स्तरीय प्री-आरडी चयन ट्रायल और 5 फरवरी से 11 फरवरी, 2025 तक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, एसएएस नगर मोहाली में राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया।

प्री-रिपब्लिक डे शिविरों के माध्यम से उन्नति

• बीए तृतीय वर्ष के छात्र नीरज ने 23 सितंबर, 2024 को पीजी कॉलेज नाहन में जिला प्री-आरडी चयन शिविर में भाग लिया। वह 1 अक्टूबर, 2024 को एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर, जिला मंडी में राज्य प्री-आरडी चयन शिविर में आगे बढ़ा और हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। 14 अक्टूबर से 23 अक्टूबर, 2024 तक विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान में उत्तर क्षेत्र प्री-आरडी चयन शिविर में प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

• बीए प्रथम वर्ष की छात्रा सोनाक्षी ने 23 सितंबर, 2024 को पीजी कॉलेज नाहन में जिला प्री-आरडी चयन शिविर में भाग लिया और 1 अक्टूबर, 2024 को एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर, जिला मंडी में राज्य प्री-आरडी चयन शिविर के लिए चुनी गई।

• बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कल्पना और बीए तृतीय वर्ष की छात्रा अंजलि दोनों ने 23 सितंबर, 2024 को पीजी कॉलेज नाहन में जिला प्री-आरडी चयन शिविर में भाग लिया।

नियमित और विशेष शिविरों में मान्यता

• कला स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र दर्शन को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक (पुरुष) घोषित किया गया ।

बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा काजल को नियमित गतिविधियों और एक दिवसीय शिविरों में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक (महिला) चुना गया।

• कला स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र केवल को सात दिवसीय विशेष शिविर में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक (पुरुष) घोषित किया गया।

• गुड्डी देवी को सात दिवसीय विशेष शिविरों में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक (महिला) के रूप में मान्यता दी गई।

ये उपलब्धियाँ हमारे एनएसएस स्वयंसेवकों के अटूट समर्पण और उत्साह को दर्शाती हैं। विभिन्न शिविरों और गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मूल्यों का उदाहरण है और उनके साथियों के लिए प्रेरणा का काम करती है।

रोवर्स और रेंजर्स

कॉलेज में रोवर्स और रेंजर्स की तीन इकाइयां हैं, जिनमें कुल 96 सदस्यों वाली ये इकाइयाँ साहसिक प्रशिक्षण, सामाजिक जागरूकता पहल और राष्ट्रीय सेवा गतिविधियों में संलग्न हैं, जिनमें से प्रत्येक इकाई को प्रो. नंदिनी कंवर, प्रो. प्रतिभा चौधरी और प्रो. कल्याण राणा द्वारा स्वतंत्र रूप से मार्गदर्शन दिया जाता है। महाविद्यालय में रेंजर्स (लड़कियों के लिए) और रोवर्स (लड़कों के लिए) नेतृत्व, अनुशासन और सामुदायिक

सेवा पर जोर देते हैं। 96 सदस्यों वाली ये इकाइयाँ साहसिक प्रशिक्षण, सामाजिक जागरूकता पहल और राष्ट्रीय सेवा गतिविधियों में संलग्न हैं।

शिविर में भागीदारी और उपलब्धियाँ

- निपुण परीक्षण शिविर: सात रेंजर्स और सात रोवर्स ने 2023-2024 और 2024-2025 में रिवालसर में शिविर पूरा किया।
- प्री-आरडी कैंप: सात रेंजर्स और सात रोवर्स 2023-2024 और 2024-2025 में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर में शामिल हुए।
- राज्य गणतंत्र दिवस परेड: लक्ष्मी और स्नेहा चौहान (2023-2024), प्रिया चौहान और राम किशन तिवारी (2024-2025) ने शिमला के द रिज में कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।

सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक जुड़ाव

- नशा विरोधी जागरूकता अभियान: रेंजर्स प्रवासिका और सुमन ने 2023-2024 में राज्य स्तरीय परियोजना निश्चय: बियॉन्ड एडिक्शन में भाग लिया। 2024-2025 में, रेंजर्स ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सहयोग से नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम पर एक जाम सत्र में योगदान दिया।
- स्वच्छता अभियान: रेंजर्स और रोवर्स ने दोनों सत्रों के दौरान स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने वाले स्वच्छता अभियान आयोजित किए।

सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियाँ

- रेंजर्स और रोवर्स ने राष्ट्रीय समारोहों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नेतृत्व और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने जागरूकता अभियानों और एक दिवसीय शिविरों में भी भाग लिया और पूरे साल समुदाय में योगदान दिया।

नैशनल कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

महाविद्यालय में केयर टेकर ऑफिसर डॉ. पूजा भाटी व श्री संदीप शर्मा के कुशल नेतृत्व में 53 बालिका कैडेटों की तथा 63 बालक कैडेटों की दो एनसीसी इकाई हैं । लेफ्टिनेंट डॉ. पूजा भाटी, ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, ग्वालियर में प्री कमीशन कोर्स में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर के पुरस्कार और सम्मान से नवाजी गई। कोर्स में 122 ऑफिसर्स ट्रेनी थे जिनमे से 2 स्वर्ण पदक और डीजी सम्मान पट्टिका केवल डॉ. पूजा भाटी को मिला । कैडेट कृतिका शर्मा ने ये दो राष्ट्रीय शिविर लगाए हैं और अब माउंट एवरेस्ट जाने वाली 5 लड़कियों में से एक है। वो 4 मार्च को दिल्ली जाएगी और जून में वापस आएगी।

महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ (सी.एस.सी.ए)

सीएससीए (महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ) का गठन संबद्ध हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार प्रतिवर्ष किया जाता है। कॉलेज छात्र केंद्रीय संघ के पदाधिकारियों को पिछले वर्ष के छात्रों की योग्यता

के अनुसार हर साल सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए नामित किया जाता है। इस छात्र परिषद में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव और कक्षा प्रतिनिधि शामिल हैं। छात्र प्रतिनिधियों का चयन क्रमशः प्रत्येक संकाय से किया जाता है। इस निकाय में एनसीसी, एनएसएस, रोवर रेंजर्स, खेल, सांस्कृतिक क्लब और सोसायटियों से दो-दो छात्रों को भी नामित किया जाता है। सीएससीए शपथ ग्रहण समारोह के दौरान छात्र परिषद को आधिकारिक रूप से मान्यता दी जाती है और सम्मानित किया जाता है। **सीएससीए 2024-25 में कला स्नातकोत्तर तृतीय स्तर की अध्यक्षा मंजीत कौर, विज्ञान स्नातक तृतीयवर्ष की उपाध्यक्षा, वाणिज्य स्नातक प्रथम वर्ष की स्नेहा महासचिव और विज्ञान स्नातक द्वितीय वर्ष की उपासना वर्मा संयुक्त सचिव हैं।**

अभिभावक-शिक्षक संघ

अभिभावक-शिक्षक संघ किसी भी शैक्षणिक संस्थान में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करने में सहायक होता है । अभिभावक-शिक्षक संघ योगदान और दान के माध्यम से अपने संसाधनों को जुटाता है और शासी निकाय और वार्षिक आम सभा की भागीदारी से अपने वित्त में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। सरकारी संस्थान होने के कारण महाविद्यालय को कभी-कभी विभिन्न शिक्षण पदों पर रिक्तियों और सरकार द्वारा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के अभाव का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में अभिभावक-शिक्षक संघ के तहत अस्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति करके अल्पकालिक व्यवस्था करता है ताकि महाविद्यालय का सुचारू संचालन और शासन बाधित न हो। एसोसिएशन कॉलेज की ढांचागत और रसद आवश्यकताओं को प्रदान करने की पहल करता है जो अन्यथा प्रशासनिक और समय की कमी के कारण पूरी नहीं हो पाती हैं। अभिभावक-शिक्षक संघ केवल एक औपचारिक निकाय नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक एक सशक्त मंच है। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर कार्य करते हैं, तो शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी बनती है और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होता है।

छात्रवृत्ति 2024-25

योजनाओं का नाम (आवेदनों की संख्या)	ताजा आवेदन	नवीनीकरण	कुल योग
कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना	2	1	
अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए केंद्र प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना-हिमाचल प्रदेश	24	11	
कल्पना चावला छात्रवृति योजना-हिमाचल प्रदेश	11	11	
मुख्यमंत्री विद्यार्थी कल्याण योजना-हिमाचल प्रदेश	1	0	

स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	**4**	**0**	
आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग एवं ओबीसी **के छात्रों के लिए पीएम यशस्वी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- हिमाचल प्रदेश**	**38**	**37**	
कुल योग	**80**	**60**	**140**

महाविद्यालय पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में कुल 12,094 पुस्तकें हैं और 18 जर्नल, 20 मैगजीन और 10 दैनिक समाचार पत्र नियमित रूप से आते हैं। पुस्तकालय को स्व-निर्गम-वापसी कियोस्क के साथ स्वचालित किया गया है।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ और सामान्य ज्ञान से संबंधित साहित्य उपलब्ध है।

पुस्तकालय में अध्ययन के लिए शांत एवं वातानुकूलित वातावरण उपलब्ध है। पुस्तकालय समय-समय पर पुस्तकों की प्रदर्शनी, पुस्तक चर्चा और अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित करता है, जिससे विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धन के नए अवसर प्राप्त होते हैं।

इग्नू अध्ययन केंद्र

महाविद्यालय में स्थित **इग्नू अध्ययन केंद्र** वर्ष **2005** से सतत रूप से शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। अपने समर्पित प्रयासों और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के चलते यह केंद्र **हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े अध्ययन केंद्रों** में से एक बनकर उभरा है। वर्तमान में इस केंद्र में लगभग **1900 शिक्षार्थी नामांकित** हैं।

शिक्षार्थियों के मार्गदर्शन के लिए **डॉ. उषा जोशी** बतौर **सहायक समन्वयक** अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। केंद्र शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और समर्पित सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

विकासात्मक पहल

नवीन कला एवं वाणिज्य ब्लॉक का निर्माण कार्य

हिमाचल प्रदेश सरकार ने नए कला एवं वाणिज्य ब्लॉक के निर्माण के लिए ₹ 11.47 करोड़ के बजटीय व्यय को मंजूरी दी है। जिसका कार्य अभी प्रगति पर चल रहा है और बहुत जल्दी एक भव्य भवन महाविद्यालय तथा विद्यार्थियों को प्राप्त होगा।

यह एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है कि महाविद्यालय में कला एवं विज्ञान संकाय के लगभग आठ विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएँ सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं। इससे न केवल छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, बल्कि महाविद्यालय की शैक्षणिक सुदृढ़ता और गुणवत्ता भी परिलक्षित होती है। यदि स्नातकोत्तर विषयों में शोध कार्यक्रम जोड़े जाएँ, तो यह शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है। इससे न केवल छात्रों को उच्चस्तरीय ज्ञान और अनुसंधान के अवसर मिलेंगे, बल्कि महाविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

प्रमुख मुरम्मत और नवीनीकरण कार्य

महाविद्यालय **में प्राचार्य डॉ. विभव कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन में** महाविद्यालय **परिसर में कई मुरम्मत और नवीनीकरण कार्य किए गए। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना , रोवर्स एंड रेंजर्स, केमी-ग्रीन क्लब, रेड रिबन क्लब और एन.सी.सी. द्वारा समर्पित पार्क और उद्यानों का विकास शामिल है। शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक, कलाम ब्लॉक और बाउंड्री वॉल की मुरम्मत और रंगाई की गई। पानी की टंकियों के लिए लोहे के स्टैंड लगाए गए और अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा जिम मल्टी-स्टेशन की मुरम्मत की गई।**

प्रशंसनीय नैक ग्रेड के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता

प्रशंसनीय नैक ग्रेड वाले कॉलेजों को अगले पाँच वर्षों में प्रति वर्ष उनके ग्रेड के अनुसार विशेष अनुदान आवंटित करके महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्रदान किए जाने चाहिए। इन विशेष अनुदानों से व्यय उचित घटकों और शीर्षों के अंतर्गत होना चाहिए जो विशिष्ट नैक प्रमुख संकेतकों और मीट्रिक्स को लक्षित करते हैं तथा अगले मान्यता चक्र में उच्च नैक ग्रेड को सक्षम करते हैं।

नए कार्यक्रमों के लिए स्वीकृत पदों में वृद्धि की आवश्यकता

नए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरुआत के मद्देनजर, रसायन विज्ञान, भूगोल और गणित विभागों में सरकार द्वारा अधिक संकाय पदों को मंजूरी दी जानी चाहिए।

छात्र नामांकन में वृद्धि के कारण स्वीकृत पदों में वृद्धि की आवश्यकता

हर साल बढ़ती छात्र संख्या के साथ, इतिहास विभाग, राजनीतिक शास्त्र, हिन्दी में सरकार द्वारा अधिक पदों को मंजूरी देने की आवश्यकता है।

करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल को मजबूत करना

महाविद्यालय के करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल को प्रभावी और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए **प्लेसमेंट अधिकारी के स्वीकृत पद** के सृजन की आवश्यकता है। यह पद विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन, रोजगार अवसरों की उपलब्धता और उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यदि पाँवटा महाविद्यालय के लिए **प्लेसमेंट अधिकारी का स्वीकृत पद** सृजित किया जाता है, तो इससे निम्नलिखित लाभ प्राप्त होंगे:

1. **रोजगार के अवसरों में वृद्धि:** विभिन्न कंपनियों और उद्योगों से संपर्क स्थापित कर विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।
2. **उद्योगों से समन्वय:** कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से प्लेसमेंट ड्राइव्स, इंटर्नशिप और जॉब फेयर आयोजित करने में सुविधा होगी।
3. **करियर काउंसलिंग:** विद्यार्थियों को उनके करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए नियमित कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए जाएंगे।
4. **रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम:** साक्षात्कार कौशल, रिज्यूमे लेखन, व्यक्तित्व विकास और तकनीकी प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।
5. **डेटाबेस प्रबंधन:** विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, करियर प्राथमिकताओं और प्लेसमेंट की स्थिति का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाएगा।

पाँवटा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने और उन्हें उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार करने के लिए प्लेसमेंट अधिकारी का स्वीकृत पद सृजित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे महाविद्यालय की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य को सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी।

भविष्य की संभावनाएँ और उद्देश्य

राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब, अपनी शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमीय उपलब्धियों के आधार पर निरंतर प्रगति कर रहा है। महाविद्यालय को हाल ही में NAAC द्वारा 'A' ग्रेड (CGPA 3.03) प्रदान किया गया है, जो हमारी गुणवत्ता-युक्त शिक्षा और समर्पित प्रयासों का प्रमाण है। भविष्य में महाविद्यालय निम्नलिखित लक्ष्यों एवं संभावनाओं की दिशा में कार्य करेगा:

❖ अकादमिक उत्कृष्टता

- विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रमों की स्थापना, जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें।
- शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु शोध केंद्रों की स्थापना।
- ई-लर्निंग संसाधनों एवं स्मार्ट कक्षाओं की संख्या में वृद्धि।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं सेमिनारों का आयोजन।

❖ बुनियादी ढांचे का विकास

- आधुनिक लैब, पुस्तकालय एवं डिजिटल संसाधनों को विस्तारित करना।
- महाविद्यालय परिसर में हरित अभियान के अंतर्गत अधिक वृक्षारोपण एवं सौर ऊर्जा का उपयोग।
- खेल सुविधाओं में सुधार और सिंथेटिक खेल का मैदान तथा सुविधाएँ विकसित करना।

❖ विद्यार्थी विकास एवं कौशल संवर्धन

- विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण एवं परामर्श सत्र।
- नवाचार एवं स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना।
- रोजगारपरक पाठ्यक्रमों एवं इंडस्ट्री-अकादमिक कोलैबोरेशन के अवसर बढ़ाना।

❖ राष्ट्रीय एवं सामाजिक उत्तरदायित्व

- एनएसएस एवं एनसीसी को और प्रभावी बनाना, जिससे समाजसेवा एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हो।
- महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता के लिए विशेष अभियान चलाना।
- स्थानीय समुदाय के साथ जुड़कर सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर कार्य करना।

❖ डिजिटल और तकनीकी विकास

- ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं डेटा साइंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल करने की दिशा में कार्य करना।
- महाविद्यालय की वेबसाइट एवं प्रशासनिक कार्यों का पूर्णतः डिजिटलाइजेशन।

❖ निष्कर्ष

राजकीय महाविद्यालय पाँवटा साहिब अपने शिक्षकों, छात्रों एवं प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में अपनी पहचान को और मजबूत करने हेतु प्रयासरत है। आने वाले वर्षों में महाविद्यालय न केवल अकादमिक गुणवत्ता को और ऊँचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने वाले योग्य नागरिकों का निर्माण भी करेगा।

स्वमूल्यांकन रिपोर्ट समिति के सदस्य, महाविद्यालय भ्रमण के दौरान

हि.प्र. अंतर महाविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, मुख्य अतिथि चौधरी किरनेश जंग के साथ

हि.प्र. विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता में स्थानीय विजेता टीम

वाणिज्य विभाग द्वारा करियर परामर्श एवं प्लेसमेंट कार्यक्रम

कैडेट कृतिका द्वारा माउंट आबी गामिन का आरोहण

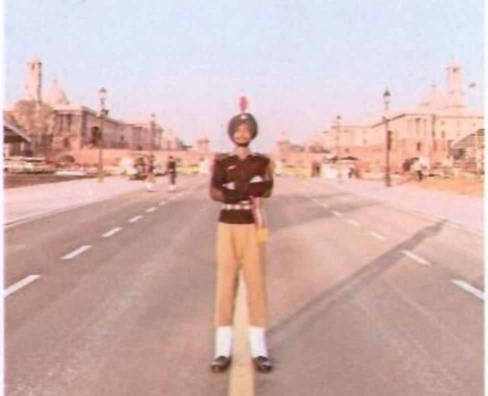

कैडेट सनी सिंह एनसीसी युनिट गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर